

# परमेश्वर सक्षम हैं

## परमेश्वर की स्तुति

परमेश्वर की स्तुति करना कि वह कौन है, उसके गुण, उसका नाम और उसका स्वभाव।

**गुण:** परमेश्वर सक्षम हैं

**परिभाषा:** वह जो पर्याप्त शक्ति, क्षमता, और संसाधनों से परिपूर्ण हैं।

**शास्त्र:** 2 कुरिन्थियों 9:8; इफिसियों 3:20-21; इब्रानियों 7:25

## पाप-स्वीकरण

**अपने पापों को उस परमेश्वर के सामने मौनता से स्वीकार करना जो क्षमा करता है।**

"यदि हम अपने पापों को स्वीकार करें, तो वह विश्वासयोग्य और धर्मी है, जो हमारे पापों को क्षमा करे और हमें सब अधर्म से शुद्ध करे।"

(1 यूहन्ना 1:9)

## धन्यवाद

**परमेश्वर का धन्यवाद करना कि उसने क्या किया है।**

"हर बात में धन्यवाद दो; क्योंकि यही मसीह यीशु में तुम्हारे लिए परमेश्वर की इच्छा है।"

(1 थिस्सलुनीकियों 5:18)

## मध्यस्थता

दो या तीन के समूह बनाएं। सबसे पहले प्रत्येक बच्चे के लिए शास्त्र प्रार्थना करें, फिर एक विशेष निवेदन के लिए प्रार्थना करें। प्रत्येक माँ एक बच्चे को चुनें।

**हमारे अपने बच्चे:**

शास्त्र: "हे परमेश्वर, \_\_\_\_\_ को यह जानने दे कि आप उसे भरपूर आशीष देने में सक्षम हैं, ताकि हर समय, हर बात में, उसकी हर आवश्यकता पूरी हो और वह हर अच्छे काम में उन्नति करे।"

(2 कुरिन्थियों 9:8 से)

**विशेष निवेदन:**

**शिक्षक/स्टाफ:**

**शास्त्र:**

\_\_\_\_\_ की आँखें खोल और उसे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान की शक्ति से परमेश्वर की ओर फेर, ताकि वह पापों की क्षमा और उन लोगों के बीच स्थान पाए, जो यीशु पर विश्वास के द्वारा पवित्र किए गए हैं। (प्रेरितों के काम 26:18)

**विद्यालय संबंधित चिंताएं:**

- अपने स्कूल में जागृति और आत्मिक परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें।
- अपने स्कूल के स्टाफ और छात्रों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
- स्कूल की अन्य चिंताओं के लिए प्रार्थना करें।

**मॉम्स इन प्रेयर संबंधित चिंताएं:**

- प्रार्थना करें कि प्रत्येक विद्यालय विश्वभर में प्रार्थना से आच्छादित हो और प्रार्थना समूह स्थिर बने रहें।
- प्रार्थना करें कि इस सेवकाई की रक्षा हो, जिससे यह शुद्ध और एकता में बनी रहे।
- प्रार्थना करें कि और अधिक दानदाता इस सेवकाई के साथ सहभागिता करें, जिससे समूहों को सशक्त किया जा सके और राष्ट्रों तक सुसमाचार पहुँचाया जा सके।
- हमारे प्रार्थना कैलेंडर से एक सेवकाई निवेदन चुनें।

**याद रखें, जो कुछ भी समूह में प्रार्थना की जाती है, वह वहीं पर ही रहनी चाहिए!**